हैं। हमें यह जम करना है कि सालोम होने से वे जो आरिजं एक्सचेंज पा रहे हैं क्यों उसको छोड़ कर वे हमारी कोयला देंगे। इस प्रश्न पर सरकार बड़ी संजिदगी के साथ विचार कर रही है।

मैं इस बात से इत्तफाक करता हूँ कि कोयले का उत्पादन बढ़ाना आवश्यक है। कोयले का उत्पादन करीब दो लाख टन प्रति-वर्ष के हिसाब से बढ़ रहा है। हमारा प्रयत्न होगा कि हम उसका उत्पादन इससे भी ज्यादा बढ़ाये। मेरा अनुमान है कि हम कोयले का उत्पादन और बढ़ा सकेंगे और इस सम्बन्ध मे हम प्रयत्न कर रहे है। हम बाहर से एक्सप्लासिव्ज मगायेंगे और अपने यहा कारखाने लगाकर भी उनका उत्पादन बढ़ायेंगे। हम पोलैंड और रूस से ड्रिल्ज लेने का प्रयत्न कर रहे हैं। हम इंडस्ट्रियल रिलेशन्ज को सुधारने की दिशा मे भी काम कर रहे है। मेरा विश्वास है कि इन सब बातो के फलस्वरूप हम बराबर प्रगतिशील रूप से कोयले का उत्पादन करते जायेंगे। मैं इस बात से सहमत हूं कि अगर तेल की कमी को देखते हुए हम कोयले का उत्पादन नही बढ़ायेंगे तो देश को बड़ा भारी नुकसान होगा। हम कोयले से गैस बनाने का भी प्रयत्न कर रहे हैं। हमारी यह कमी भी दूर हो जायेगी।

कोयले के बारे मे मैंने जो एसेसमेंट जो फिगर्ज दिये हैं वे सही हैं। यह सोचने की बात है कि उसमे कितनी वृद्धि होगी। हम बराबर इस बात मे लगे हुए हैं हम अपने प्रोडक्शन टारगेट को कितना और बढ़ा सकते हैं—इन तमाम लिमिटेशन्ज को देखते हुए हम कितनी जल्दी और कब बढ़ा सकते हैं। हम बराबर इस पर विचार कर रहे हैं।

12.56 hrs.

Re. Motion for Adjournment

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर): अध्यक्ष महोदय :

अध्यक्ष महोदय : मैंने आपका एडजोर्नमेंट मोशन एलाऊ नहीं किया है

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय आप स्वास्थ्य मंत्री से कहें कि वह इस सम्बन्ध मे वक्तव्य दे कि जूनियर डाक्टरों के साथ उनकी बातचीत किस बात पर टूटी है। जूनियर डाक्टर इतने दिन से हड़ताल पर हैं। मरीजो की हालत खराब हो रही है। स्वास्थ्य सेवायें बिल्कुल अस्त-व्यस्त हो गई है। बातचीत इस बात पर टूटी है कि सरकार अब डाक्टरो को सजा देना चाहती है।

अध्यक्ष महोदय : मिनिस्टर साहब खुद मरीज हो गये हैं।

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour) You should ask the Government to tell us what has happened. We want a statement based on facts.. (*Interruptions*)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI K RAGHU RAMAIAH) I shall convey it to the Minister.

SHRI S M BANERJEE (Kanpur) He should make a statement this afternoon Tomorrow and the day after are holidays.

MR SPEAKER You will have to be content, it will be conveyed to him.

SHRI SAMAR GUHA (Contai): Apart from the merits, we have a right to know what things are going on. It is now 73 days old, the strike

अध्यक्ष महोदय : पिछले दिनो अखबारों में निकला था कि कोई फ़ैसला हो गया है। अगर कोई फ़ैसला नही हुआ है तो हाउस को बताया जाये कि इस बारे मे क्या पोजीशन है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : आज कहा गया है कि बातचीत टूट गई है।

SHRI K. RAGHU RAMAIAH: Whenever he is ready, I will contact him; I will convey this to him.

12 hrs.

अध्यक्ष महोदय : अगर आप लोग कुछ शांति रखें तो श ग्रब फैसला हो जाय।

SHRI S. M. BANERJEE: Sir, he has briefed the Press. Why can't a statement be made here?

(Interruptions)

SHRI SAMAR GUHA: I would like to draw your attention to another point. We do not know what is being done in regard to Rajya Sabha elections from Gujarat. All the other States are having elections.

MR. SPEAKER: Please sit down.

SHRI SAMAR GUHA: Will you kindly permit me to complete the sentence? It is the constitutional abligation on the part of the Government.....

MR. SPEAKER: Pleased sit down.

(Interruptions)

MR. SPEAKER: Mr. Guha, I am not allowing you. Not a word of what you say will go on record.

We have to go by the order as set out in the Agenda Paper. The Professor does not know any bounds, no respect for time and no respect for the arrangement of items of business on the Agenda Paper. Everything is arranged. We have to go by the proper order. You should not get up any time you like.

कुछ आदमी ऐसे हैं इस हाउस में कि जब तक वह कुछ कर न लें तब तक उन्हें चैन नहीं पड़ता जैसे कोई कोका कोला का आदी है, कोई चाय का आदी है, कोई ओपियम ईटर है जब तक उसे वह कर न लें उनका मजा पूरा नहीं होता।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : ओपियम वाला कौन है ?

अध्यक्ष महोदय : वह तो मैंने एक उदाहरण दिया कि जिसकी जो आदत पड़ी है रोजाना जब तक वह पूरी न हो जाय तब तक न उनको रात को नींद आएगी न वह खाना खाएंगे न उनकी अच्छी तरह कमर ही खुलेगी।

I really wonder how so good he is outside the House and at what stage he is inside the House.

SHRI PILOO MODY (Godhra): Sir, you are also good outside.

MR. SPEAKER: I am just a poor victim in your hands.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Sir I invite you to come and address public meetings in the constituency of Shri Samar Guha and myself.

MR. SPEAKER: Certainly.

13.05 hrs.

QUESTION OF PRIVILEGE AGAINST THE EDITOR OF THE PATRIOT, DELHI

MR. SPEAKER: On the 13th March, 1974, Shri P. G. Mavalankar sought to raise a question of privilege in the House in respect of certain comments about him published in the *Patriot*, Delhi, in its issue dated the 12th March 1974. I am glad Shri Mavalankar is present here.

I then said that the Editor of the newspaper would be asked to state what he had to say in the matter. The Editor of *Patriot*, in his letter dated the 14th March, 1974, has stated as follows:

"I beg to state that there is no misreporting of the Proceedings of Parliament involved in the report.

As stated in the report the speech by Mr. P. G. Mavalankar during the debate on the Presidential Proclamation of Gujarat was, in the opinion